University Centre for Distance Learning

Syllabi & Scheme of Examination
M.A.(Hindi)-1st Year

Chaudhary Devi Lal University
Sirsa (Haryana)

Website:- www.cdlu.ac.in

SCHEME OF EXAMINATION
MA (Hindi) - 1ST Year
(DISTANCE EDUCATION MODE)

EXAM CODE (M03)

Paper Code	Nomenclature of the Paper	Max. Marks	Minimum Marks	Assignment	Time
HN01	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	80	28	20	3 Hrs.
HN02	हिंदी साहित्य का इतिहास	80	28	20	3 Hrs.
HN03	आधुनिक गध-साहित्य	80	28	20	3 Hrs.
HN04	आधुनिक हिन्दी काव्य	80	28	20	3 Hrs.
वैकल्पिक पेपर- :					
HN05	भारतेन्दु हरीश चंद्र	80	28	20	3 Hrs.
HN06	जय शंकर प्रसाद	80	28	20	3 Hrs.
HN07	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	80	28	20	3 Hrs.
HN08	प्रेमचंद	80	28	20	3 Hrs.
HN09	पत्रकारिता- प्रशिक्षण	80	28	20	3 Hrs.
HN10	अनुवाद-विज्ञान	80	28	20	3 Hrs.
HN11	हरियाणवी भाषा और साहित्य	80	28	20	3 Hrs.

UNIVERSITY CENTRE FOR DISTANCE LEARNING
CHAUDHARY DEVI LAL UNIVERSITY, SIRSA
Syllabus and Courses of reading for
MA Hindi (Previous)

एम.ए. हिंदी (पूर्वार्द्ध)

प्रश्न पत्र-1 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

V. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4312) अंक निर्धारित हैं।

W. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20 (534) अंक निर्धारित हैं।

X. समूचे पाठ्यक्रम पर ही आधारित 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके लिए 12 (1312) अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठ्य विषयः

खण्ड (क) भाषा, भाषा विज्ञान एवं स्वन-प्रक्रियाः

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण; भाषा व्यवस्था और भाषा-व्यवहार; भाषा-संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान; स्वरूप एवं व्याप्ति; भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं,-वर्णनात्मक, एतिहासिक और तुलनात्मक; स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएं; वागवयव और उनके कार्य; सवन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण; स्वनगुण; स्वनिक परिवर्तन; स्वनिम विज्ञान का स्वरूप; स्वनिम की अवधारणा; स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

खण्ड (ख) रूपविज्ञान एवं अर्थविज्ञानः

रूप-प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं; रूपिम की अवधारणा और भेद; मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी; सम्बन्धदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य; वाक्य की अवधारणा; अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिद्यानवाद; वाक्य के भेद; वाक्य विश्लेषण; निकटतस्थ अवयव विश्लेषण; गहन संरचना और बाह्य संरचना, अर्थ की अवधारणा; शब्द और अर्थ का संबंध; पर्यायता, अनकार्थता; विलोमता; अर्थ परिवर्तन; कारण एवं दिशाएं; साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंकों की उपयोगिता।

खण्ड (ग) हिन्दी भाषाः ऐतिहासिक एवं भौगोलिक पृष्ठभूमिः

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ; मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं-पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उसकी विशेषताएं, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण, हिन्दी की उपभाषाएं-पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और उनकी बोलियाँ, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं, हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था-खंड्य एवं खण्ड्येतर, हिन्दी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास, स्मरचना-लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विश्लेषण और क्रियारूप, हिन्दी वाक्य रचना, पदक्रम आर अन्विति।

खण्ड (घ) हिन्दी के भाषिक रूपः

हिन्दी के विविध रूपः सम्पर्क भाषा. राष्ट्र भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति, हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँः आंकड़ा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी शोधकः मशीनी अनुवाद, अन्दी भाषा-शिक्षणः स्वरूप एवं उद्देश्य, हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण, देवनागरी लिपिः विशेषताएँ और मानकीकरण।

सन्दर्भ सामग्रीः

v. भाषा और भाषिकी, देवी शंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1993

w. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, 1989

x. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 1997

y. मानक हिंदी का संरचनात्मक भाषाविज्ञान, ओमप्रकाश भारद्वाज, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1980

z. भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी, नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली, 1993

{. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1997

|. आधुनिक भाषाविज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1996

}. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाश, वाराणसी, 1997

~. हिन्दी भाषाः उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी।

10. हिन्दी भाषाः भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली, 1991

vv. हिन्दीः उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1965

vw. हिन्दी भाषा का विकास, देवेन्द्रनाथ शर्मा एवं रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण, दिल्ली, 1971

vx. हिन्दी भाषाः रूप विचार, सरनाम सिंह शर्मा ''अरूण'', चिन्मय प्रकाशन, जयपुर, 1962

vy. देवनागरी, देवीशंकर द्विवेदी, प्रशांत प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1990

vz. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केंदोय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1976

v{. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशा, दिल्ली, 1972

v|. भाषा शिक्षण, रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशा, दिल्ली, 1981

v}. भाषा और भाषाविज्ञान, नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001

v~. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998

20. अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002

wv. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण, हरमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984

ww. शैली विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1980

प्रश्न पत्र-2 हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घंटे

निर्देशः

v. पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे,जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। इनके लिए 48 (4312) अंक निर्धारित हैं।

w. समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें स किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20(534) अंक निर्धारित हैं।

x. समूचे पाठ्यक्रम पर ही आधारित 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनके लिए 12 (1312)अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा।

पाठ्य विषयः

खण्ड (क)

हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन,

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा,

हिन्दी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएँ,

हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभान और नामकरण,

आदिकाल की परिस्थितियाँ,

रासो काव्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ

पृथ्वीराज रासोः प्रामाणिकता का प्रश्न और काव्य सौंदर्य,

सिद्ध साहित्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ,

नाथ साहित्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ,

जैन साहित्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ,

अमीर खुसरो की हिन्दी कविता,

विद्यापति और उनकी पदावली,

आदिकालीन गद्य -साहित्य।

खण्ड (ख)

भक्ति आंदोलनः उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण,

आलवार सन्त और उनका काव्य,

हिन्दी संतकाव्य का वैचरिक आधार,

सन्त काव्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कबीर, नानक, दादू, रैदास),

हिन्दी सूफी काव्य का वैचारिक आधार,

सूफी काव्यः पर□परा और प्रवृत्तियाँ (मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी),

सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन,

रामकाव्यः पर□परा और प्रवृत्तियाँ,

तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँः काव्य-रूप और महत्व,

कृष्णकाव्यः विविध स□प्रदाय,

कृष्णकाव्यः पर□परा और प्रवृत्तियाँ (अष्टछाप),

रामकृष्ण काव्येतर काव्य,

भक्तिकालीन भक्तितर काव्य,

भक्तिकालीनः स्वर्णयुग,

भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

खण्ड (ग)

रीतिकालः सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य,

रीतिकाल का नामकरण,

रीतिकाल के मूल स्त्रोत,

दरबारी संस्कृति और लक्षणग्रन्थ पर□परा,

रीति कवियों का आचार्यत्व,

रीतिकाल के प्रमुख कवि (केशव, मतिराम, भूषण, देव, पद्माकर, बिहारी, घनानन्द),

रीतिकाल में लोक जीवन,

रीतिबद्ध काव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ,

रीतिसिद्ध काव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ,

रीतिमुक्त काव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ,

रीतिकालीन वीरकाव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ,

रीतिकालीन नीतिकाव्यः सामान्य प्रवृत्तियाँ,

रीतिकालीन गद्य-साहित्य।

खण्ड (घ)

आधुनिककाल और भारतीय नवजागरण,

भारतेन्दु और उनका काव्य,

भारतेन्दु और उनका मण्डल,

द्विवेदी युगीन काव्य और उसकी सामान्य प्रवृत्तियाँ,

राष्ट्रीय काव्यधाराः प्रमुख कवि और काव्य,

छायावादी काव्य (प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी),

सामान्य प्रवृत्तियाँ,

प्रगतिवादी काव्यः पर□परा और प्रवृत्तियाँ,

प्रयोगवादः कवि और काव्य,

नयी कविताः प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ,

आधुनिक बनाम समकालीनता,

समकालीन कविताः कवि और काव्य,

हिन्दी नवगीतः पर□परा और प्रवृत्तियाँ,

भारतेन्दु-पूर्व हिन्दी गद्य,

हिन्दी पत्रकारिताः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी एकांकीः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी कहानी और उसके आन्दोलन,

हिन्दी उपन्यासः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी निबन्धः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी आलोचनाः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्यः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी यात्रा साहित्यः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी साहित्यः उद्‌भक्त,

हिन्दी डायरी साहित्यः उद्‌भव और विकास,

हिन्दी रिपोर्ताज साहित्यः उद्भव और विकास,

दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय,

उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय,

हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा।

सन्दर्भ सामग्रीः

v. हिन्दी साहित्येतिहासः पाश्चात्य स्त्रोतों का अध्ययन, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, प्रतिभा प्रकाश, होशियारपुर, 1985

w. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, ब□बई, 1963

x. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, ब□बई, 1963

y. श्रंगारकाल का पुनर्मूल्यांकन, रमेश कुमार शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1978

z. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-2), विश्वानाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाश, वाराणसी, 1960

{. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982

|. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरो प्रचारिणी सभा, काशी, 1961

}. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, रामनारायणलाल बेनी माधव, इलाहाबाद, 1971

~. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (स□पादक) नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973

10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड), गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1989 एवं 1990

vv. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982

vw. हिन्दी साहित्य का इतिहास, विजयेंद्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996

vx. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996

vy. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दो खण्ड), रामप्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, दिल्ली,v~~}

vz. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लालचन्द गुप्त ''मंगल'', यूनिवर्सिटी बुक सैन्टर, कुरूक्षेत्र, 1999

v{. हिन्दी साहित्य का इतिहास (काल विभाजन एवं नामकरण), रमेशचन्द गुप्त, निर्मल बक एजेन्सी, कुरूक्षेत्र, 2002

प्रश्न पत्र-X आधुनिक गद्य-साहित्य

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

V. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) सन्दर्भ सहित व्याया, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न,

(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न, (घ) लघूतरी प्रश्न।

W. खण्ड (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से स?बन्धित है। व्या?यार्थ निर्धारित तीन पुस्तकों (चन्द्रगुप्त, निबन्ध-निलय, कथा-भूमि) में से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से एक-एक अंश की व्याख्या करनी होगी। यह ?खण्ड 21 (337) अंकों का होगा।

X. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक पश्नो के लिए निर्धारित पुस्तकों(गोदान, मैला आँचल, पथ के साथी) और उनके रचनाकारों पर दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3312) अंकों का होगा।

y. खण्ड (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों पुस्तकों ओर उनके रचनाकारों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (138) अंकों का होगा।

z. खण्ड (घ) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ पांच नाटककारों (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, उपेन्द्रनाथ अश्क, विष्णु प्रभाकर, लक्ष्मीनारायण लाल, शंकर शेष), पांच उपन्यासकारों (जेनेन्द्र कुमार, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर, बालशौरि रेड्डी, मन्नू भण्डारी), पांच स्फुट-गद्यकारों (अमृतराय-कलम का सिपाही, शिवप्रसाद सिंह उत्तरयोगी, हरिवंशराय बच्चन-क्या भूलूं, क्या याद करूं, राहुल-सांस्कृत्यायन-घुमक्कड़ शास्त्र, माखनलाल चतुर्वेदी-साहित्य-देवता) तथा उनकी कृतियों का द्रुत-पाठ अपेक्षित है। प्रश्न-पत्र में प्रत्येक विद्या से स?बन्धित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। इस प्रकार इस खण्ड में कुल पांच लघूतरी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (533) अंक निर्धारित हैं।

व्याख्या हेत निर्धारित पाठ्य ग्रन्थः

V. चन्द्रगुप्त, जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, इलाहाबाद।

W. निबन्ध-निलय, डा. सत्येन्द्र (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

X. कथाभूमि, डा. चितरंजन मिश्र (सं.), राधाकृष्ण, नई दिल्ली।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नः

v. गोदान-प्रेमचंद

समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द, प्रेमचन्द की भाषा-शैली, प्रेमचन्द की नारी-भावना, प्रेमचन्द की दलितचेतना, प्रेमचन्द का जीवन-दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना और गोदान।

गोदान में गांव और शहर,

गोदान और भारतीय किसान,

गोदान में यथार्थ और आदर्श,

गोदान के मु?य चरित्र

w. मैला आँचल-फणीश्वरनाथ रेणु

आँचलिक उपन्यास पर?परा और रेणुक,

आँचलिक और मैला आँचल,

''मैला आँचल'' का वस्तु-विन्यास,

नायकत्व,

लोक-संस्कृति और भाषा,

ग्रा?य जीवन में होने वाले राजनीतिक-आर्थिक परिवर्तनो का चित्रण,

ग्रा?य जीवन के सामाजिक स?बन्धों का चित्रण,

x. पथ के साथी-महादेवी वर्मा

''पथ के साथी'' का साहित्य-रूप, ''पथ के साथी'' में संकलित प्रत्येक साहित्यकार के व्यक्तित्व का विवेचन-विश्लेषण, ''पथ के साथी'' की गद्य-शैली।

सन्दर्भ-सामग्री :

v. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1986

w. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास (भाग-1), यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1989

x. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन दिल्ली, 1985

y. फणीश्वर रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1992

z. ''मैला आँचल'' की रचना-प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987

{. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकानत पं. वांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1993

|. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी, 1960

}. निबन्धः साहित्य और प्रयोग, हरिनाथ द्विवेदी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1971

~. हिन्दी निबन्ध के आलोक शिखर, जयनाथ ''नलिन'', मनीषा प्रकाशन, दिल्ली, 1987

10. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002

vv. बच्चन, निकष पर, रमेश गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1979

vw. महादेवी वर्मा, कवि और गद्यकार, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।

vx. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचन्द गुप्त ''मंगल'', संजीव प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1988

vy. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1987

प्रश्न पत्र-y आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

v. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) सन्दर्भ सहित व्या?या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न,

(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न, (घ) लघूतरी प्रश्न।

w. खण्ड (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से स?बन्धित है। व्या?यार्थ निर्धारित तीन कवियों (जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला'', गजानन माधव-मुक्तिबोध) की निर्धारित कविताओं में से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से एक-एक अंश की व्याख्या करनी होगी। यह ख्खण्ड 21 (337) अंकों का होगा।

x. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्ना के लिए निर्धारित कवियों(सुमित्रानन्द पंत, रामधारी सिंह ''दिनकर'', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ''अज्ञेय'') और उनकी कृतियों पर दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3312) अंकों का होगा।

y. खण्ड (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों कविया और उनकी कृतियों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड } (vx}) अंकों का होगा।

z. खण्ड (घ) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ दस कवियों (अयोध्यासिंह उपाध्याय ''हरिऔद्य'', महादेवी वर्मा, हरिवंशराय बच्चन, केदारनाथ अग्रवाल, गिरिजा कुमार माथर, भवानी प्रसाद मिश्र, नरेश मेहता, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, दुष्यन्त कुमार) तथा उनकी कृतियों का द्रुत पाठ अपेक्षित है। प्रश्न-पत्र में प्रत्येक कवित से स?बन्धित एक-एक प्रश्न (कुल दस) पूछा जाएगा, जिनमें से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (533) अंक निर्धारित हैं।

व्याख्या हेत निर्धारित पाठ्य ग्रन्थः

v. कामायानी, जयशंकर प्रसाद, ''चिन्ता'', श्रद्धा और ''लज्जा'' (कुल तीन सर्ग)।

W. राग विराग, सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला'', (''राम की शक्ति पूजा'', ''सरोज स्मृति'' एवं ''कुकुरमुत्ता'')= कुल तीन कविताएँ।

X. अंधेरे में, मुक्तिबोध= कुल एक कविता।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नः

V. पंत-काव्य यात्रा के विविध सोपान, जीवन-दर्शन, प्रकृति-चित्रण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्य-चेतना, काव्य-भाषा।

W. दिनकर-उर्वशी में कामाध्यात्म, सौन्दर्य चेतना, संवाद-कौशल, महाकाव्यत्व, तृतीय अंक की विशेषताएँ।

X. अज्ञेय-प्रयोगधर्मिता, वैयक्तिकता और सामाजिकता, अभिव्यंजना-पक्ष।

सन्दर्भ सामग्रीः

V. छायावाद युगीन काव्यः अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1984

W. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1990

X. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1978

Y. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, जयशंकर प्रसाद, वस्तु और कला, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1968

Z. निराला, पदमसिंह शर्मा ''कमलेश'', राधाकृष्ण, दिल्ली, 1969

{. काव्यपुरूष निराला, जयनाथ ''नलिन'', आलोक प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, 1970

|. निराला की काव्य चेतना, हुकुमचन्द राजपाल, स्र्यभारती प्रकाशन, दिल्ली, 1993

}. सुमित्रानन्दन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्टू, आत्माराय एंड संस, दिल्ली, 1951

~. पंत का काव्य, शिवपाल सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1987

10. ''अज्ञेय'' कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रन्थन, कानपुर, 1977

VV. काव्य भाषा, रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001

VW. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल, 2000

VX. साठोत्तरी, हिन्दी कविता में क्रान्ति और सृजन, मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996

VY. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लनराय, मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक, 1982

VZ. नई कविता की नाट्यमुखी ?ूमिका, हुकुमचन्द राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1975

V{. नई कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय पकाशन, दिल्ली, 1977

V|. कविता ओर संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इंद्रप्रस्थ प्रकाश, दिल्ली, 1986

प्रश्न पत्र-Z

(प्रश्न पत्र-5 के अन्तर्गत विशिष्ट अध्ययन अपेक्षित है।)

यहाँ निर्धारित प्रश्न-पत्रों में से परीक्षार्थी किसी एक का अध्ययन करेगा।

प्रश्न पत्र-5 (द्व) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

V. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) सन्दर्भ सहित व्या?या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न,

(ग) लघूतरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

W. खण्ड (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से स?बन्धित है। व्या?यार्थ निर्धारित तीन पुस्तकों (भारत दुर्दशा, नीलदेवी, प्रेम माधुरी) में से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से एक-एक अवतरण की व्याख्या करनी होगी। यह ?खण्ड WV (337) अंकों का होगा।

X. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नो के लिए निर्धारित पुस्तकों(प्रेम तरंग, हिन्दी की उन्नति पर व्या?यान, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के श्रेष्ठ निबन्ध) पर दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3312) अंकों का होगा।

Y. ?खण्ड (ग) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों कृतियों का द्रुत पाठ अपेक्षित है। प्रश्न पत्र में कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (533) अंक निर्धारित हैं।

Z. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों पुस्तकों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (138) अंकों का होगा।

व्याख्या हेत निर्धारित पाठ्य ग्रन्थः

V. भारत दुर्दशा, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु समग्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

W. नीलदेवी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु समग्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

X. प्रेम-माधुरी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भारतेन्दु समग्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

आलोचनात्मक एवं लघूतरी प्रश्नों के लिए निर्धारित रचनाएं एवं विषयः

V. प्रेम तरंगः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

W. हिन्दी की उन्नति पर व्या?यानः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

X. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के श्रेष्ठ निबन्ध संपादक, कृष्णदत्त पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।

भारतेन्दुयुगीन परिवेश,

भारतेन्दु का जीवन-चरित,

भारतेन्दु की साहित्यिक यात्रा,

हिन्दी पत्रकारिता के विकास में भारतेन्दु का योगदान,

भारतेन्दु की जीवन दृष्टि,

भारतेन्दुः राजभक्त या राष्ट्रभक्त,

स्वदेशी आन्दोलन क प्रेरणास्त्रोत भारतेन्दु,

भारतेन्दु का हिन्दी भाषा के प्रति दृष्टिकोण,

भारतेन्दु का अन्य भाषाओं के प्रति दृष्टिकोण,

स्वच्छन्दतामूलक प्रेम और भारतेन्दु,

''प्रेमतरंग'' का कथ्य,

''प्रेमतरंग'' की भाषा शैली,

भारतेन्दु की निबन्ध कला,

भारतेन्दु के निबन्धों का कथ्य,

भारतेन्दु के निबन्धों की भाषा शैली,

भारतेन्दु की नाटक स□बन्धी अवधारणाएँ,

भारतेन्दु के अनुसार ''जातीय संगीत'' की उपयोगिता,

भारतेन्दु की सामाजिक चेतना,

भारतेन्दु का नारी-स्वातंत्रय स□बन्धी दृष्टिकोण,

भारतेन्दु का धर्म स□बन्धी दर्शन,

भारतेन्दु की नाट्यकला,

हिन्दी रंगमंच की नाट्यकला,

हिन्दी रंगमंच के विकास में भारतेन्दु का योगदान।

सन्दर्भ सामग्रीः

v. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, डा. वीरेन्द्र कुमार।

w. भारतेन्दु का गद्य साहित्यः समाजशास्त्रीय अध्ययन, डा. कपिलदेव दुबे।

x. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डा. गोपीनाथ तिवारी।

y. भारतेन्दु के निबन्ध, डा. केसरी नारायण शुक्ल।

z. भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य औ रंगमंच, डा. वासुदेव नन्दन प्रसाद।

{. भारतेन्दु युग की शब्द स?पदा, डा. जसपाली चौहान।

|. भारतेन्दु साहित्य, डा. रामगोपाल चौहान।

}. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बापू ब्रजरल दास।

~. भारतेन्दु हरिश्चन्द्रः साहित्य और जीवन दर्शन, डा. रमेश गुप्त।

प्रश्न पत्र-Z (ii) जयशंकर प्रसाद

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

V. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) सन्दर्भ सहित व्या?या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न,

(ग) लघूतरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

W. खण्ड (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से स?बन्धित है। व्या?यार्थ निर्धारित तीन पुस्तकों (लहर, छाया, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध) में से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से एक-एक अवतरण की व्याख्या करनी होगी। यह खखण्ड 21 (337) अंकों का होगा।

X. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नो के लिए निर्धारित पुस्तकों(कामायनी, स्कंदगुप्त, कंकाल) पर दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3312) अंकों का होगा।

y. ?खण्ड (ग) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (533) अंक निर्धारित हैं।

Z. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों पुस्तकों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (138) अंकों का होगा।

व्याख्या हेत निर्धारित पाठ्य ग्रन्थः

V. लहर (कविता संग्रह)

W. छाया (कहानी संग्रह)

X. काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध (निबन्ध संग्रह)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषयः

जयशंकर प्रसादः व्यक्तित्व एवं कृतित्व, प्रसाद का जीवन दर्शन, वर्तमान संदर्भ में पसाद-साहितय की प्रासांगिकता, कायानीः एक छायावादी रचना, दार्शनिक पृष्ठभूमि-शैवदर्शन, समरसता और आनंदवाद, मनोवैज्ञानिक पक्ष, रूपक तत्व, महाकाव्यत्व, सौन्दर्यदृष्टि, मिथल और फैण्टेसी, ''आशा'', 'इड़ा'' और ''आनन्द'' संगों पर समीक्षात्मक प्रश्न।

लहरः भावात्मक और वैयक्तिक चेतना, नामकरण और काव्य रूप, काव्य सौंदर्य, नाटककार प्रसादः एक सिंहावलोकन, स्कन्दगुप्त की ऐतिहासिकता, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पात्र परिकल्पना, स्कन्दगुप्त और रंगमंच, गीति तत्व, पाश्चात्य और भारतीय नाट्य लक्षणों का समन्वय, प्रसाद की कहानी कला का विकास, भावभूमि, प्रसाद की उपन्यास कला का विज्ञान, कंकालः प्रतिपाद्य और उद्देश्य।

संदर्भ सामग्रीः

v. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1961

w. कामायनीः एक सह-चिन्तन, वचनदेव कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग क?पनी, दिल्ली, 1983

x. कामायनी-अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग, 1975

y. प्रसाद का साहित्य, प्रभाकर क्षेत्रिय आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली, 1975

z. जयशंकर प्रसाद, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1977

{. प्रसाद का नाट्य साहित्य, पर?परा और प्रयाग, हरिश्चन्द्र, प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठ, प्रथम संस्करण।

|. लहर सौंदर्य, सत्यवीर सिंह, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1977

}. प्रसाद का गद्य-साहित्य, राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1982

प्रश्न पत्र-z **(iii)** सूर्यकांत त्रिपाठी ''निराला''

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

v. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) सन्दर्भ सहित व्या?या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न,

(ग) लघूतरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

w. खण्ड (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से स?बन्धित है। व्या?यार्थ निर्धारित तीन पुस्तकों (राग विराग, निरूपमा, लिलि) में से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से एक-एक अवतरण की व्याख्या करनी होगी। यह ?खण्ड wv (xx|) अंकों का होगा।

x. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नो के लिए निर्धारित पुस्तकों(तुलसीदास, अलका, प्रबन्ध प्रतिमा) पर दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3312) अंकों का होगा।

y. खण्ड (ग) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों कृतियों पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (533) अंक निर्धारित हैं।

z. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों पुस्तकों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (138) अंकों का होगा।

व्याख्या हेत निर्धारित पाठ्य ग्रन्थः

v. राग विराग (कविता संग्रह)

w. निरूपमा (उपन्यास)

x. लिलि (कहानी संग्रह)

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित विषयः

निराला और छायावाद

निराला और रहस्यवाद

निराला और प्रगतिवाद

निराला और राष्ट्रीय चेतना

निराला और विद्रोही चेतना

''राम की शक्ति पूजा'': कथ्य एवं शिल्प

''सरोज स्मृति'': कथ्य एवं शिल्प कुकुरमुत्ता

''तुलसीदास'' की वस्तु योजना

''तुलसीदास'' में संस्कृति का स्वरूप

''तुलसीदास'' में चिन्तन और दर्शन

''तुलसीदास'' में मनोवैज्ञानिक चित्रण

''तुलसीदास'' में बि?ब और प्रतीक

''तुलसीदास'' में रस योजना

कथाकार निरालाः

निराला की उपन्यास कला

निराला के उपन्यास साहित्य के यथार्थ

''अलका'' उपन्यास की प्रमुख समस्या

''अलका'' उपन्यास के नारी पात्र

''अलका'' उपन्यास की आंचलिकता

''अलका'' उपन्यास की भाषा शैली

निबन्धकार निरालाः

हिन्दी निबन्धकारों में निराला का स्थान

''प्रबन्ध प्रतिमा'' में संकलित निबन्धों की समीक्षा

कहानीकार निराला

जीवनीकार निराला

आलोचक निराला

संदर्भ सामग्रीः

v. निराला गा गद्य, सूर्य प्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

w. निराला का गद्य साहित्य, प्रोमिला बिल्ला, चैतन्य प्रकाशन, कानपुर।

x. निराला का साहित्य और साधना, विश्व?भरमनाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

y. निराला का साहित्य साधना, डा. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

z. महाकवि निरालाः काव्यकला, डा. विश्व?भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा।

{. महाप्राण निरालाः गंगाप्रसाद पाण्डेय, साहित्यकार परिषद, प्रयाग क्रान्तिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

|. कवि निराला, नन्दुलारे वाजपेयी, मेकमिलन, दिल्ली।

}. निराला का अलक्षित अर्थ-गौरव, शशिभूषण-शीतांशू, सरस्वती प्रैस, इलाहाबाद।

~. निराला का कथा साहित्य, कुसुम वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद।

10. निराला के काव्य में बि?ब और प्रतीक, वेदव्रत शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

vv. निराला और उनका तुलसीदास, रामकुमार शर्मा, पद्य बुक क?पनी, जयपुर।

प्रश्न पत्र-Z (IV) प्रेमचन्द

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

V. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) सन्दर्भ सहित व्या?या, (ख) आलोचनात्मक प्रश्न,

(ग) लघूतरी प्रश्न (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

W. खण्ड (क) सन्दर्भ सहित व्याख्या से स?बन्धित है। व्या?यार्थ निर्धारित तीन पुस्तकों (गबन, प्रतिनिधि कहानियाँ, प्रेमचन्द के श्रेष्ठ निबन्ध) में से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से एक-एक अवतरण की व्याख्या करनी होगी। यह खण्ड 21 (337) अंकों का होगा।

X. खण्ड (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नो के लिए निर्धारित पुस्तकों(सेवा सदन, कर्मभूमि, कर्बला) पर दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछ जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह खण्ड 36 (3312) अंकों का होगा।

y. खण्ड (ग) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों कृतियों का द्रुत पाठ अपेक्षित है। प्रश्न पत्र में दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 15 (533) अंक निर्धारित हैं।

Z. खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। यहाँ उपर्युक्त छहों पुस्तकों पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 8 (138) अंकों का होगा।

व्याख्या हेत निर्धारित पाठ्य ग्रन्थः

V. गबन, प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।

W. प्रतिनिधि कहानियाँ, प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

X. प्रेमचन्द के श्रेष्ठ निबन्ध, सत्यप्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

आलोचनात्मक एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित रचनाएं एवं विषयः

V. सेवा सदन, प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद,

W. कर्मभूमि, प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।

X. कर्बला, प्रेमचन्द

प्रेमचन्दयुगीन परिवेश,

प्रेमचन्द का जीवन दर्शन,

आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद और प्रेमचन्द,

प्रेमचन्द और गांधीवाद,

प्रेमचन्द की नारी भावना,

वर्तमान संदर्भों में प्रेमचन्द साहित्य की प्रासांगिकता,

प्रेमचन्द की स?पादन कला,

हिन्दी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचन्द का योगदान,

''सेवासदन'': नामकरण,

''सेवासदन'' में चित्रित समस्याएँ और समाधान,

''सेवासदन'': प्रसांगिकता,

कर्मभूमि और गांधीवाद,

कर्मभूमि की नायिका और उसका चरित्र चित्रण,

कर्मभूमि का नायक और उसका चरित्र चित्रण,

हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचन्द का योगदान,

प्रेमचन्द की उपन्यास कला

''कर्बला'' नाटक का उद्देश्य,

''कर्बला'' नाटक की रंगमंचिता,

''कर्बला'' नाटक की प्रासांगिकता,

प्रेमचन्द की नाट्य कला,

प्रेमचन्द की कहानियों का कथ्य,

प्रेमचन्द की कहानियों का शिल्प,

प्रेमचन्द की कहानी कला,

प्रेमचन्द के निबन्धों का कथ्य,

प्रेमचन्द के निबन्धों का शिल्प,

प्रेमचन्द की निबन्ध कला,

प्रेमचन्द की भाषा शैली,

सन्दर्भ सामग्रीः

v. प्रेमचन्द चिन्तन और कला, इन्द्रनाथ मदान, सरस्वती प्रैस, बनारस, 1961

w. प्रेमचन्दः जीवन, कला और कृतित्व, हंसराज रहबर, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1962

x. उपन्यासकार प्रेमचन्द, सुरेशचन्द गुप्त एवं रमेशचन्द्र गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1956

y. प्रेमचन्दयुगीन भारतीय समाज, इन्द्रमोहन कुमार सिन्हा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1974

z. प्रेमचन्द, सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1976

{. प्रेमचन्द और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1981

|. समकालीन जीवन संदर्भ और प्रेमचन्द, धर्मेन्द्र गप्त, पियूष प्रकाशन, दिल्ली, 1988

}. कहानीकार प्रेमचन्द, नूरजहाँ, हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ, 1975

~. प्रेमचन्द और भारतीय किसान, रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1983

10. प्रेमचन्द और उनका साहित्य, शीला गुप्त, साहित्य भवन प्रो. लि., इलाहाबाद, 1979

प्रश्न पत्र-z (V) पत्रकारिता प्रशिक्षण

पूर्णांकः 80

आंतरिक मूल्यांकनः 20

समयः 3 घण्टे

निर्देशः

v. समूचा पाठ्यक्रम चार खण्डों में विभक्त है-

(क) आलोचनात्मक प्रश्न, (ख) लघूत्तरी प्रश्न,

(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (घ) प्रायोगिक कार्य।

w. खण्ड (क) आलोचनात्मक प्रश्नों से स?बन्धित है। आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए निर्धारित पाठ्य विषयों में से छह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। यह खण्ड 39 (3313) अंकों का होगा।

x. खण्ड (ख) लघूतरी प्रश्नों से स?बन्धित है। निर्धारित पाठ्य विषयों में से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का होगा। इस खण्ड के लिए 20 (534) अंक निर्धारित हैं।

y. खण्ड (ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से स?बन्धित है। समूचे पाठ्यक्रम पर आधारित दस प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं होगा। यह खण्ड 10 (1310) अंकों का होगा।

z. खण्ड (घ) प्रायोगिक कार्य से स?बन्धित है। इस खण्ड में दो प्रेस विज्ञप्तियां दी जाएंगी, जिनमें से किसी एक को आधार बनाकर परीक्षार्थी समाचार तैयार करेगा। यह खण्ड 11 अंकों का होगा।

आलोचनात्मक, लघूत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए निर्धारित विषयः

v. पत्रकारिताः स्वरूप और प्रकार, विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आर?भ, हिन्दी पत्रकारिताः उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व, समाचार संकलन तथा लेखन के मु?य आयाम, समाचार के विभिन्न स्त्रोत।

w. संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त (शीर्षक, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया), समाचार पत्रों के विभिन्न स्तरों की योजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो

पत्रकारिता, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति, पत्रकारिता स?बन्धी लेखन (संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन-फॉलोअप आदि की प्रविधि), इलैक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता (रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया)